Rohtas Mahila College, Sasaram, 08.05.20, fri
P-1 Dr. Aman Murmu, Dept of Psychology, B.A. part II, Par
Pr-III B, 2019-20

(केन्द्रीय प्रवृत्ति क्या है? What is central tendency)

उत्तर :- साधारण अर्थ में केन्द्रीय प्रवृत्ति का अर्थ है केन्द्र (centre) की ओर झुकाव। लेकिन सांख्यिकी में केन्द्रीय प्रवृत्ति का तात्पर्य बारंबारता वितरण में किसी प्राप्तांकों में केन्द्र की ओर झुकाव से है। दूसरे शब्दों में इसका अर्थ यह है कि कौन सा प्राप्तांक वितरण के केन्द्र से नजदीक है। जैसे, जैविक शीलगुणों में उनके वितरण के केन्द्र (औसत) की ओर होने की प्रवृत्ति पायी जाती है। नाटे माता-पिता के बच्चे अपेक्षाकृत लम्बे तथा लम्बे माता पिता के बच्चे अपेक्षाकृत नाटे होते हैं।

चैपलिन (Chaplin) के अनुसार - प्राप्तांकों के प्रतिनिधिक मूल्य को केन्द्रीय प्रवृत्ति कहते हैं।

रेबर तथा रेबर (Reber and Reber) के अनुसार - केन्द्रीय प्रवृत्ति का तात्पर्य प्राप्तांकों के वितरण के प्रतिनिधि अथवा औसत मूल्य से है।

(Measures of central Tendency)

(केन्द्रीय प्रवृत्तियों का मापन topic)

(1) जब आवृत्ति वितरण में प्राप्तांकों (scores) या मापनों का सारणीयन हो जाता है, उसके बाद सामान्य कार्य केन्द्रीय प्रवृत्तियों या केन्द्रीय स्थिति की गणना करना है। केन्द्रीय प्रवृत्तियों के मापन का दोहरा (Two fold) मूल्य है। पहला, यह एक औसत (Average) है जो समूह के सभी प्राप्तांकों का प्रतिनिधित्व करती है। इस प्रकार यह सम्पूर्ण समूह की निष्पत्ति का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करती है। दूसरा इसमें यह दो या दो से अधिक समूहों की तुलनात्मक निष्पत्तियों की तुलना के योग्य बनाती है। केन्द्रीय प्रवृत्ति में तीन प्रकार के औसत या मापन

p.2

सामान्यतया सामान्यतया प्रस्तुत किये जाते हैं।
(1) गणितीय माध्य या मध्यमान (Arithmetic mean) (2) मध्यांक या माध्यिका (median)
(3) बहुलक या भूयिष्ठक (Mode)। गणितीय औसत के लिए प्रचलित शब्द 'औसत' (Average) है। किन्तु सांख्यिकी कार्यों में औसत (Average) केन्द्रीय प्रवृत्ति के किसी भी मापन के लिए सामान्य है।
इन तीनों मापन की व्याख्या आगे अलग अलग की जाएगी।

Scanned with CamScanner